आडवाणी जी: एक शताब्दी की ओर बढ़ती प्रेरणादायी यात्रा

आज 8 नवंबर को श्रद्धेय लालकृष्ण आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं. सुखद संयोग है कि आज ही दीपावली का पावन पर्व भी है. प्रभु श्रीराम और दीपोत्सव के इस अवसर पर आडवाणी जी के जीवन का यह महत्वपूर्ण पड़ाव और भी विशेष बन गया है. इसी वर्ष हम जनसंघ की स्थापना के 75 वर्ष, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती भी मना रहे हैं. मेरे लिए यह अवसर व्यक्तिगत रूप से भावुक कर देने वाला है. मुझे दशकों तक आडवाणी जी का स्नेह, सान्निध्य और मार्गदर्शन मिला. उन्होंने राजनीति की बारीकियां सिखाईं और कठिन परिस्थितियों में अपने अनुभव से संबल दिया. उनकी वैचारिक स्पष्टता, आत्मविश्वास और सिद्धांतों के प्रति अटूट निष्ठा हमेशा मेरी प्रेरणा रहे हैं. 8 नवंबर 1927 को देव दीपावली के दिन कराची में जन्मे आडवाणी जी ने विभाजन की पीड़ा झेली. 1947 में अपना घर और परिचित परिवेश छोड़कर उन्हें नए सिरे से जीवन शुरू करना पड़ा, लेकिन इस अनुभव ने उनके भीतर कभी कड़वाहट पैदा नहीं की. कठिनाइयों के बीच नए सिरे से निर्माण का यही संकल्प आगे



चलकर जनसंघ को मजबूत बनाने और भारतीय जनता पार्टी के निर्माण में दिखाई दिया. भाजपा अध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन को विस्तार दिया और कार्यकर्ताओं की कई पीढ़ियां तैयार कीं. 1989 में कांग्रेस की सीटें 400 से घटकर 200 से नीचे आईं और 1996 में भाजपा पहली बार देश की सबसे बड़ी पार्टी बनी.

आडवाणी जी की दो विशेषताएं उन्हें अलग पहचान देती हैं. पहली, उनकी बौद्धिक प्रखरता और वैचारिक स्पष्टता, जिसकी झलक उनके भाषणों, लेखन और संसदीय हस्तक्षेपों में मिलती है. दूसरी, छद्म धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ उनका निर्भीक रुख. उन्होंने सार्वजनिक जीवन में राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत को हमेशा सर्वोपरि रखा. अटल बिहारी वाजपेयी जी के साथ उनका पांच-छह दशकों का साथ भारतीय राजनीति में विश्वास और समर्पण की अनूठी मिसाल है. दोनों ने लंबे समय तक कंधे से कंधा मिलाकर काम किया. अटल जी उनके नेता और मार्गदर्शक रहे. राजनीतिक परिस्थितियों और महत्वाकांक्षाओं के बीच भी उनका आपसी सम्मान और विश्वास कभी कम नहीं हुआ. 1991 में गांधीनगर से उनके लोकसभा चुनाव अभियान में मुझे उनके साथ काम करने का अवसर मिला. नामांकन से लेकर चुनाव प्रचार तक की स्मृतियां आज भी ताजा हैं.

आपातकाल के दौरान लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए उनका संघर्ष, सूचना एवं प्रसारण मंत्री, गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री के रूप में उनका योगदान तथा आतंकवाद के खिलाफ उनकी दृढ़ता सार्वजनिक जीवन के महत्वपूर्ण अध्याय हैं. सोमनाथ से अयोध्या तक की ऐतिहासिक रथयात्रा उनके जीवन का निर्णायक अध्याय रही. इसकी परिकल्पना और तैयारियों से लेकर यात्रा के शुभारंभ तक मुझे जुड़ने का सौभाग्य मिला. बिहार में उनकी गिरफ्तारी और राम मंदिर निर्माण के संकल्प पर अडिग रहने का निर्णय उस दौर की महत्वपूर्ण स्मृतियां हैं. वर्षों बाद अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण उस संकल्प की ऐतिहासिक परिणति बना. आडवाणी जी की सादगी, अध्ययनशीलता, इतिहास और सिनेमा में रुचि तथा अपनी सिंधी संस्कृति से जुड़ाव भी उनके व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाते हैं. उनके लंबे सार्वजनिक जीवन में कमला आडवाणी जी का साथ और योगदान भी अविस्मरणीय रहा है. देश के प्रति उनके असाधारण योगदान के लिए वर्ष 2024 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया. आज उनके सौवें वर्ष में प्रवेश पर मेरी प्रार्थना है कि वे स्वस्थ और दीर्घायु रहें तथा इसी तरह देश की अनेक पीढ़ियों को प्रेरणा और मार्गदर्शन देते रहें.

जीवेत शरदः शतं, पश्येम शरदः शतं, शृणुयाम शरदः शतं.

लेखक : भारत के प्रधानमंत्री

सौम्य कूटनीति से दूरगामी संदेश

क्षत्रपों की एकजुटता से राहुल ने नकारात्मक नैरेटिव को किया ध्वस्त

प्रवेश कुमार मिश्र

नई दिल्ली,07 नवंबर. लोकसभा में नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ चाय पर चर्चा और दीपावली मंगल मिलन समारोह महज एक पारंपरिक सामाजिक औपचारिकता नहीं था, बल्कि इसे भविष्य की सियासी बिसात पर राहुल का रणनीतिक तौर पर नपा-तुला मनोवैज्ञानिक और संगठनात्मक दांव माना जा रहा है.

राजनीतिक जानकारों की मानें तो सतही तौर पर भले ही इस आयोजन को त्योहार की शुभकामनाओं के आदान-प्रदान का नाम दिया गया, परंतु इसके अंतर्निहित राजनीतिक निहितार्थ सीधे तौर पर सत्ताधारी दल भाजपा, विपक्षी सहयोगियों, पार्टी के भीतर के असंतुष्टों और सरकार विरोधी मोर्चे को एक नई दिशा देने के लिए तैयार किए गए थे.राजनीतिक रणनीति के चश्मे से देखें तो इस आयोजन का सबसे पहला और मुखर प्रहार केंद्र सरकार के खिलाफ चल रही मोर्चेबंदी को वैचारिक व मनोवैज्ञानिक संबल देना था. रामलीला मैदान की वोट बचाओ, देश बचाओ रैली और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ शुरू की गई जन महाभियोग की मुहिम के तुरंत बाद नेताओं का इस तरह अनौपचारिक माहौल में जुटना एक सोची-समझी निरंतरता का हिस्सा है.

राहुल गांधी ने औपचारिकताओं की दीवार को तोड़कर चाय की चुस्कियों के बीच वरिष्ठ नेताओं को यह स्पष्ट संदेश दिया कि चुनावी पारदर्शिता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की साख का मुद्दा केवल चुनावी रैलियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे हर स्तर पर कांग्रेस के विमर्श का मुख्य केंद्र बिंदु बने रहना होगा. यही वजह है कि इस मिलन ने आगामी 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर दिल्ली में होने वाले व्यापक शक्ति प्रदर्शन की पृष्ठभूमि तैयार कर दी है, जिससे सरकार विरोधी आंदोलन को एक नई धार मिलना तय है.

वरिष्ठ नेताओं से वन टू वन चर्चा कर नई ऊर्जा का किया संचार



राहुल गांधी ने इस आयोजन में सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी यानी सौम्य शक्ति कूटनीति का परिचय देते हुए कई वरिष्ठ नेताओं से व्यक्तिगत स्तर पर संवाद भी स्थापित किया. इसलिए कहा जा रहा है कि दीपावली के इस पावन पर्व को कांग्रेस ने एक नए राजनीतिक वर्ष की शुरुआत के रूप में परिभाषित किया, जिसने सुस्त पड़े कार्यकर्ताओं और नेताओं में नई ऊर्जा का संचार करने का काम किया है. इतना ही नहीं इस बैठक से उन नेताओं को परोक्ष लेकिन बेहद सख्त संदेश मिल चुका है जो इस नए सांगठनिक रोडमैप के साथ कदमताल नहीं मिला रहे थे. साथ ही पार्टी छोड़कर जा चुके नेताओं को भी यह अहसास कराया गया कि उनके जाने से कांग्रेस कमजोर होने के बजाय और अधिक आक्रामक और पुनर्जीवित होकर उभरी है.

संकट के समय एकजुटता पर फोकस

राजनीतिक जानकार बता रहे हैं कि यह समारोह कांग्रेस की आंतरिक एकजुटता का एक ऐसा जीवंत घोषणापत्र था, जिसने विरोधियों के उस नैरेटिव को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया जिसमें कांग्रेस को गुटबाजी से त्रस्त दिखाया जाता है. अशोक गहलोत, दिग्विजय सिंह, हरिश रावत,भूपेश बघेल और भूपेंद्र सिंह हुड्डा जैसे कद्दावर क्षत्रपों को एक साथ एक ही प्रांगण में लाकर केंद्रीय नेतृत्व ने भाजपा को यह कड़ा संदेश दिया कि संकट के समय संगठन पूरी ताकत से एक सुर में खड़ा है. यह शक्ति प्रदर्शन केवल प्रतिद्वंद्वियों के लिए ही नहीं, बल्कि इंडिया गठबंधन के उन क्षेत्रीय सहयोगियों के लिए भी एक रणनीतिक संदेश था जो अक्सर कांग्रेस की सांगठनिक क्षमता पर सवाल उठाते रहते हैं. राहुल गांधी ने इस जमावड़े के जरिए यह साफ कर दिया कि भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर बनने वाले किसी भी मोर्चे की धुरी और निर्विवाद नेतृत्व केवल और केवल कांग्रेस ही रहेगी. इस अनौपचारिक संवाद का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और गहरा आयाम उन नेताओं की तरफ केंद्रित था जो पिछले कुछ वर्षों में या तो पार्टी की मुख्यधारा से अलग हो गए थे या फिर पराजय के दौर में सुस्त होकर घर बैठ गए थे.

लॉरेंस का करीबी हैरी बॉक्सर गिरफ्तार

नवभारत न्यूज नेटवर्क

वाशिंगटन, 7 नवंबर. गैंगेस्टर लॉरेंस बिश्नोई के करीबी हैरी बॉक्सर को अमेरिका में हिरासत में लेने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है. हरियाणा एसटीएफ के मुताबिक, हरियाणा के मोस्ट वांटेड गैंगस्टर हैरी बॉक्सर को अमेरिका से हिरासत में लिया गया, फिर गिरफ्तार किया गया है.



रोहित शेट्टी के घर पर करवाई थी फायरिंग

वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग को अमेरिका में बैठकर ऑपरेट कर रहा था. हैरी बॉक्सर वही गैंगेस्टर है, जिसने रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी. हैरी बॉक्सर ने ही रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग के बाद सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो के जरिए बॉलीवुड के लोगों को धमकी दी थी. हैरी पर पहले से कई मामले दर्ज हैं. उसके खिलाफ हत्या, धमकी देकर रंगदारी वसूल करने के कई मामले हैं. हैरी बॉक्सर, जिसका असली नाम हरिचंद जाट है, लॉरेंस बिश्नोई गैंग का एक्टिव गुर्गा है. ये मूल रूप से राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बामसूर इलाके का रहने वाला है. जयपुर में रहने के दौरान उसने बॉक्सिंग सीखी थी, इसी वजह से उसे बॉक्सर नाम मिला. शुरुआत में उसने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की और बॉक्सिंग कोच के तौर पर भी काम किया, लेकिन बाद में अपराध की दुनिया में आ गया. जल्द ही भारतीय एजेंसियां कानूनी प्रक्रिया को फॉलो कर नोडल एजेंसी सीबीआई की मदद लेकर इसको भारत लाएंगी.

आज का इतिहास

1627- मुगल शासक जहांगीर का निधन.
1927- प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ लाल कृष्ण आडवाणी का हुआ जन्म.
1939- एडोल्फ हिटलर की हत्या के लिए टाइम-बम लगाया था. किस्मत से हिटलर बच गया.
1956: संयुक्त राष्ट्र ने सोवियत संघ से यूरोपीय देश हंगरी से हटने की अपील की.
1972: अमेरिका की केबल टेलीविजन कंपनी एचबीओ की शुरूआत. 1971 में आई फिल्म समटाइम्स ए ग्रेट नोशन का प्रसारण किया गया.

अमेरिकी सेना का ईरान पर फिर हमला

जलडमरू होर्मुज के पास एयर डिफेंस सिस्टम को किया तबाह

नवभारत न्यूज नेटवर्क

वाशिंगटन, 7 नवंबर. अमेरिकी सेना ने एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाते हुए नए सीमित हमले किए हैं. राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इस सैन्य कार्रवाई की पुष्टि करते हुए इसे बेहद मामूली बताया.

उन्होंने कहा कि ईरान ने छोटा एंटी-एयरक्राफ्ट उपकरण तैयार किया था, जिसे अमेरिकी सेना ने कुछ ही मिनटों में नष्ट कर दिया. वहीं, ईरानी सरकारी मीडिया ने तेल परिवहन के लिए बेहद अहम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में स्थित केशम द्वीप के सूजा इलाके में दो धमाकों की पुष्टि की है. यह सैन्य कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनावों में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को भारी चुनावी झटका लगा है.



कतर ने रखा शांति वार्ता का नया प्रस्ताव

हमलों के बीच राजनयिक स्तर पर तनाव कम करने की कोशिशें भी तेज हो गई हैं. मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे कतर ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मतभेदों को सुलझाने के लिए तेहरान को नए प्रस्ताव सौंपे हैं. क्षेत्र के दो देशों के अधिकारियों के अनुसार, ईरान इन प्रस्तावों की समीक्षा कर रहा है. हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि जब तक अमेरिका युद्धविराम से जुड़ी प्रमुख शर्तें स्वीकार नहीं करता, तब तक ईरान ट्रंप प्रशासन के साथ सीधी परमाणु वार्ता शुरू करने के मूड में नहीं दिख रहा है.

एक नजर में

पराग्वे में उलटफेर, राष्ट्रपति पद से हटाए गए पेना



असुनसियन, 7 नवंबर. दक्षिण अमेरिका के पराग्वे में बैंकिंग संकट के बाद राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को पद से हटा दिया गया है जबकि उपराष्ट्रपति पेड्रो एलियाना ने सत्ता की कमान संभाल ली है. राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को नजरबंद रखने का आदेश दिया गया है. दरअसल, पराग्वे की संसद के उच्च सदन सीनेट ने राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को महाभियोग के जरिए पद से हटा दिया है. उन पर एक बड़े बैंकिंग संकट से जुड़े मामले में गंभीर लापरवाही और पद के दुरुपयोग के आरोप लगे हैं. राष्ट्रपति को पद से हटाए जाने के बाद उपराष्ट्रपति पेड्रो एलियाना ने नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले ली है.

सांसद अभिषेक बनर्जी के घर पर हमला



कोलकाता, 7 नवंबर. पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच टकराव तेज हो गया है. टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया है कि शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे भाजपा समर्थकों ने उनके कोलकाता स्थित आवास पर हमला किया. यह घटना उनके जन्मदिन के जश्न के दौरान हुई. बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कथित हमले का वीडियो साझा करते हुए इसे उनकी हत्या की साजिश बताया और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए.

10 लाख का इनामी नक्सली ठाणे से गिरफ्तार

ठाणे, 7 नवंबर. महाराष्ट्र एटीएस ने ठाणे जिले के ठाकुर्ली इलाके से एक 10 लाख के इनामी नक्सली को गिरफ्तार किया है. ये नक्सली झारखंड के जंगलों का रहने वाला है और सूत्रों के मुताबिक, बीते 10 दिनों से ठाकुर्ली में रह रहा था. नक्सली की पहचान संजय सरोज यादव उर्फ संजय गोदराय उर्फ बुधराम के रूप में हुई है. इसकी उम्र 45 साल है. इस नक्सल पर 10 लाख रुपये का इनाम झारखंड सरकार ने रखा था. आरोपी को एटीएस कोर्ट में पेश किया जाएगा.

ट्रंप के नए चीफ ऑफ स्टाफ होंगे स्टीफन

विवादित आव्रजन नीतियों के हैं मास्टरमाइंड

वॉशिंगटन, 7 नवंबर.मिलर को ट्रंप प्रशासन की सख्त और विवादित आव्रजन नीतियों का प्रमुख रणनीतिकार माना जाता है. उन्होंने अमेरिका में अवैध प्रवासियों की धरपकड़, सामूहिक निर्वासन, शरणार्थियों की संख्या में कटौती और सीमा सुरक्षा को सख्त बनाने जैसी नीतियों को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई है.

वह सुसी वाइल्स की जगह लेंगे, जो ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अब तक इस पद पर थीं. यह नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है और डेमोक्रेटिक पार्टी ट्रंप प्रशासन की नीतियों की व्यापक जांच की तैयारी कर रही है. इनमें आव्रजन कार्रवाई भी शामिल है. मिलर ने ट्रंप के दोनों कार्यकाल में आव्रजन नीति को सख्त बनाने की पैरवी की है. जुलाई 2025 में कानून बने वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट के तहत कांग्रेस ने आव्रजन प्रवर्तन और सीमा सुरक्षा के लिए करीब 170 अरब डॉलर का प्रावधान किया था.

ट्रंप के पहले कार्यकाल में मिलर ने कई मुस्लिम बहुल देशों के नागरिकों की अमेरिका में एंट्री पर प्रतिबंध लगाने वाले आदेश को तैयार करने और उसका बचाव करने में भूमिका निभाई थी. इस फैसले के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन हुए और अदालतों में चुनौती दी गई. हालांकि, प्रतिबंध के तीसरे संस्करण को 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा था. मिलर 2018 की जीरो टॉलरेंस नीति के भी प्रमुख समर्थक थे.इसके तहत हजारों बच्चों को उनके माता-पिता से अलग कर दिया गया था. उन्होंने शरणार्थियों की संख्या घटाने की पैरवी की और वित्त वर्ष 2021 में इसकी अधिकतम सीमा 15 हजार कर दी गई, जो उस समय तक का सबसे कम स्तर था.



रोजाना तीन हजार गिरफ्तारियों का लक्ष्य

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में मिलर ने आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी (आईसीई) पर रोजाना कम से कम तीन हजार गिरफ्तारियां करने का दबाव बनाया. मई 2025 में उन्होंने गिरफ्तारियों की संख्या बढ़ाने की मांग की थी. इसके बाद कार्रवाई गंभीर अपराधों में दोषी प्रवासियों तक सीमित नहीं रही.

ट्रंप को फिर जान से मारने की कोशिश



अमेरिका में व्हाइट हाउस के पास से एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है. उसके पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद किया गया है. अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने बताया कि उसे अपने दिमाग में कुछ आवाजें सुनाई दे रही थीं, जो उसे वाशिंगटन जाकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या करने के लिए कह रही थीं. खबर के अनुसार, सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने एक खड़ी गाड़ी में बैठे एक व्यक्ति को देखा, जो संदिग्ध हरकतें कर रहा था.

कीव पर रूस का बड़ा हमला

36 मिसाइल,172 ड्रोन दागे

- ऊर्जा ठिकानों और बिजली सबस्टेशनों को बनाया निशाना
- कई इलाकों में बिजली-पानी की आपूर्ति प्रभावित

नवभारत न्यूज नेटवर्क

कीव, 7 नवंबर. रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में शनिवार तड़के रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव और आसपास के इलाकों पर अब तक के बड़े हमलों में से एक को अंजाम दिया.

रूसी सेना ने रातभर में 36 बैलिस्टिक मिसाइलें और 172 स्ट्राइक ड्रोन दागे. हमले में एक बच्चे समेत नौ नागरिक घायल हो गए. मिसाइलों और ड्रोन का मुख्य निशाना ऊर्जा से जुड़े महत्वपूर्ण ठिकाने रहे. हमलों में बिजली आपूर्ति के लिए अहम उच्च वोल्टेज सबस्टेशन क्षतिग्रस्त हो गए, जो रिव्ने और खमेलनित्स्की परमाणु ऊर्जा संयंत्रों से बिजली राजधानी और मध्य यूक्रेन तक पहुंचाते हैं. इसके अलावा आवासीय इमारतों, नीप्रो नदी पर बने उत्तरी पुल और एक नगरपालिका किंडरगार्टन को भी नुकसान पहुंचा है. कई इलाकों में





फ्रांस : सरकार के खिलाफ सड़क पर लोग

पेरिस. फ्रांस में महंगाई, कम वेतन और सरकारी नीतियों के खिलाफ जारी आंदोलन क्रिसमस तक चलेगा. इस दौरान देशभर की सड़कों पर लोग प्रदर्शन कर रहे हैं. यहां प्रदर्शनकारियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है. लगभग 5.75 लोग सड़कों पर उतरे. प्रदर्शन में मजदूरों, छात्रों, शिक्षकों और येलो वेस्ट आंदोलन से जुड़े लोगों ने रैलियां निकालीं. कई शहरों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं. पुलिस ने 448 लोगों को हिरासत में लिया. प्रदर्शन क्रिस्मस तक चल सकता है. फ्रांस में महंगाई, कम वेतन और सरकार की

हस्तियों के ट्वीट



प्रख्यात पॉडकास्टर और उद्यमी राज शमानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी एक नई पोस्ट के जरिए युवाओं और पेशेवरों को सफलता का एक कड़ा संदेश दिया है. उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए लिखा कि कोई भी व्यक्ति खुद को औसत दर्जे का बना सकता है. जब भी कोई इंसान अपने कौशल और स्तर से नीचे के काम को स्वीकार करता है, तो उसका मस्तिष्क धीरे-धीरे उसी औसत स्तर के अनुकूल ढल जाता है.



कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी दिवाली की खुशियों की झलकियां साझा की हैं. थरूर ने अपनी ऑफिस टीम के साथ समय बिताते हुए त्योहार का जश्न मनाया, जिसकी तस्वीरें और अनुभव उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ साझा किए. उन्होंने पोस्ट में लिखा कि इस साल उन्होंने अपनी टीम के साथ थोड़ी पहले ही दिवाली मना ली है, जिसमें जमकर तैयारियां और हंसी-मज़ाक शामिल था.

सोनिया ने आपातकाल पर किया इंदिरा का बचाव

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 7 नवंबर. सोनिया गांधी ने इमरजेंसी के दौरान हुई कथित ज्यादतियों के लिए पूरी जिम्मेदारी संजय गांधी पर मढ़ने से इनकार कर दिया.

उन्होंने कहा कि उस समय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कुछ वरिष्ठ सहयोगियों की ओर से काफी दबाव था. रिपोर्ट के मुताबिक सोनिया गांधी ने कहा, 'ऐसा नहीं था कि सिर्फ संजय ही जिम्मेदार थे, हालांकि आम लोगों की नजर में उन्हें अक्सर आपातकाल का पर्याय माना जाता है. मुझे लगता है कि उनके आसपास राजीव जैसे बहुत कम लोग थे, जिनकी सोच अलग थी. उनके पति राजीव गांधी जो भी शिकायतें या प्रतिक्रियाएं सुनते थे उन्हें अपनी मां तक पहुंचा देते थे.

अंत में सोनिया ने कहा कि उनकी सास इंदिरा ने अपनी समझदारी से स्थिति को समझना शुरू कर दिया था और उसे सुधारने के लिए कदम उठाए. मुझे लगता है कि आखिरकार मेरी सास ने अपनी समझदारी से स्थिति को समझना शुरू कर दिया था और उसे सुधारने के लिए कदम उठाए. जब उनसे पूछा गया कि क्या आपातकाल को लोकतंत्र-विरोधी और तानाशाहीपूर्ण दौर मानना सही नहीं होगा तो कांग्रेस नेता ने इस बात से सहमति जताई कि लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित कर दिया गया था.सोनिया गांधी ने आपातकाल से पहले के बिगड़ते हालात गिनाए और कहा कि बाद में इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान हुई ज्यादतियों के लिए सार्वजनिक रूप से खेद जताया था.



कहा- उन्होंने अपनी समझदारी से कदम उठाए

Phoenix ARC Limited (Formerly known as 'Phoenix ARC Private Limited')
Regd. Office: 3rd Floor, Wallace Towers, 139/140/B/1, Crossing of Sahar Road and Western Express Highway, Vile Parle East, Mumbai- 400057. Tel: 022- 6849 2450, Fax: 022- 67412313, CIN: U67190MH2007PLC168303, Email: info@phoenixarc.co.in & Website: www.phoenixarc.co.in

कब्जा सूचना

जबकि, IIFL-HFL ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (54 ऑफ 2002) ('उक्त अधिनियम') के प्रावधानों के तहत तथा उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 ('उक्त नियम') के नियम 3 के साथ पढ़ा जाए, उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता, गारंटर, बंधकदारों को राशि चुकाने के लिए एक मांग नोटिस जारी किया, जिसका विवरण नीचे दी गई तालिका में दिया गया है. और इसके बाद, IIFL-HFL ने दिनांक 29-दिसंबर-2025 के असाइनमेंट समझौते के माध्यम से, IIFL-HFL बैंक द्वारा उधारकर्ता/गारंटर(ओं) को ऋण प्रदान करने से उत्पन्न उधारकर्ता/गारंटर(ओं)/गिरवीदार(ओं) द्वारा देय ऋणों के संबंध में अपने सभी अधिकार, स्वामित्व, हित और लाभ, साथ ही अंतर्निहित अचल संपत्ति, फीनिक्स आर्क लिमिटेड (पूर्व में 'फीनिक्स एआरसी प्राइवेट लिमिटेड' के रूप में जाना जाता था) को, फीनिक्स ट्रस्ट - FY 26-14 ('फीनिक्स') के ट्रस्टी के रूप में कार्य करते हुए, सुरक्षा रसीद धारकों के लाभ के लिए सौंप दिए हैं. अतः, उक्त आवंटन के मद्देनजर, फीनिक्स अब IIFL-HFL के स्थान पर प्रतिस्थापित हो गया है और फीनिक्स उधारकर्ता/गारंटर/गिरवीदार के विरुद्ध सभी प्रकार की कार्यवाही शुरू करने/जारी रखने तथा वित्तीय दस्तावेजों के अंतर्गत अपने अधिकारों और लाभों को लागू करने का हकदार होगा, जिसमें उधारकर्ता/गारंटर/गिरवीदार द्वारा प्राप्त वित्तीय सुविधाओं के लिए निष्पादित और निर्मित गारंटी और सुरक्षा हित को लागू करना भी शामिल है. ऋणकर्ता/गारंटर/गिरवीदार द्वारा उक्त राशि का भुगतान न कर पाने की स्थिति में, ऋणकर्ता/गारंटर/गिरवीदार को विशेष रूप से और आम जनता को सूचित किया जाता है कि फीनिक्स के अधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) और उक्त नियमों के नियम 8 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीचे वर्णित अचल संपत्ति पर 'जैसा है, जहां है और जो कुछ भी है' के आधार पर नीचे उल्लिखित तिथि से कब्जा कर लिया है.

ऋणकर्ता/सह-ऋणकर्ता/गारंटर का नाम	सुरक्षित संपत्ति (अचल संपत्ति) का विवरण	कुल बकाया राशि	मांग नोटिस की तिथि	कब्जे की तिथि
श्री सुभाष श्रीमती सविता (प्रॉस्पेक्ट नंबर IL10247397)	मकान संख्या 25, कलुखेड़ी, जिला देवास, मध्य प्रदेश- 455001, भारत का पूरा हिस्सा। क्षेत्रफल (वर्ग फुट में): संपत्ति का प्रकार: भूमि क्षेत्र, कालीन क्षेत्र, निर्मित क्षेत्र। संपत्ति का क्षेत्रफल: 1550.00, 800.00, 1131.00	रु. 534816/- (पांच लाख चौंतीस हजार आठ सौ सोलह रुपये मात्र)	16-10-2025	04-11-2026
श्री दीपक नागर श्रीमती रेणु नागर (प्रॉस्पेक्ट नंबर IL10255629)	फोन संख्या 152, मकान संख्या 55 का पूरा हिस्सा। 875 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाली संपत्ति, वार्ड संख्या 05, कालूखेड़ी, देवास, मध्य प्रदेश, भारत 455001 में स्थित है। क्षेत्रफल (वर्ग फुट में): संपत्ति का प्रकार: भूमि क्षेत्र, निर्मित क्षेत्र, कालीन क्षेत्र. संपत्ति का क्षेत्रफल: 875.00, 875.00, 700.00	350814/- (रुपये (तीन लाख पचास हजार आठ सौ चौदह रुपये मात्र)	16-10-2025	04-11-2026
श्री मुन्ना शाह सुश्री रईसा श्री याकूब श्रीमती सुल्ताना बी (प्रॉस्पेक्ट नंबर IL10639511)	पटवार हल्का संख्या 40, खसरा संख्या 51/1 का वह पूरा टुकड़ा और पार्सल, क्षेत्रफल 1720 वर्ग फुट, ग्राम कालियादेह, तहसील घट्टिया, जिला उज्जैन, मध्य प्रदेश 456006। क्षेत्रफल (वर्ग फुट में): संपत्ति का प्रकार: भूमि क्षेत्र, निर्मित क्षेत्र, कालीन क्षेत्र। संपत्ति का क्षेत्रफल: 1720.00, 1150.00, 890.00	467046/- रुपये (चार लाख सड़सठ हजार छियालीस रुपये मात्र)	24-10-2025	04-11-2026

ऋणकर्ता/गारंटर/गिरवीदार को विशेष रूप से और आम जनता को सूचित किया जाता है कि फीनिक्स उपर्युक्त अचल संपत्ति पर वैध कब्जे में है और सरफेशी अधिनियम, 2002 की धारा 13(13) के तहत, ऋणकर्ता/गारंटर/गिरवीदार या कोई भी व्यक्ति, इस सूचना की प्राप्ति के बाद फीनिक्स की पूर्व लिखित सहमति के बिना अचल संपत्ति को बिक्री, पट्टे या किसी अन्य माध्यम से हस्तांतरित/अदतित नहीं करेगा। अचल संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन फीनिक्स द्वारा उपर्युक्त राशि के प्रभार के अधीन होगा, जिसमें उपर्युक्त राशि पर संविदात्मक दर से भविष्य का ब्याज, आकस्मिक व्यय, लागत, शुल्क आदि शामिल होंगे। ऋणकर्ताओं/गारंटरों/गिरवीदारों का ध्यान उपर्युक्त अचल संपत्ति को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

स्थान : इंदौर 08-11-2026 **हस्ताक्षर/- अधिकृत अधिकारी, फीनिक्स एआरसी लिमिटेड (ट्रस्टी के रूप में)**